सात साल में आर्थिक हब बनेगी पीतल नगरी

मुरादाबाद को विकसित करने के लिए योगी सरकार ने खींचा खाका

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। पीतल नगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद के लिए राज्य सरकार महायोजना 2031 लेकर आई है। इसके तहत शहर का विस्तार और विकास तो सुनिश्चित ही होगा, साथ ही इसे आर्थिक हब बनाया जाएगा। ओडीओपी में शामिल यहां के पीतल हैंडीक्राफ्ट और निर्यात उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि मुरादाबाद को वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में विकसित किया जाए। इसी क्रम में औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्क के जरिए शहर के औद्योगिक विकास को गति देने की तैयारी है। यहां पीतल उद्योग से जुड़े आर्टिजन के लिए हस्तशिल्प ग्राम बनाने के साथ ही मेगा एमएसएमई पार्क के निर्माण का भी प्रस्ताव है। हाल ही में सीएम के सामने महायोजना का प्रस्तुतीकरण हुआ है।

महायोजना में मुरादाबाद की भावी जरूरतों की पूर्ति के लिए सुदृढ़ आर्थिक आधार का निर्माण, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाना है। एसईजेड को नगर के अंदर मौजूद औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने के लिए 36 मीटर चौड़े औद्योगिक गलियारे का भी विकास किया जाएगा।

औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्क से मिलेगी अर्थव्यवस्था को गति

फाइल फोटो।

पूरी दुनिया में होता है पीतल की कलाकृतियों का निर्यात

मुरादाबाद के पीतल उत्पादों पर बने डिजाइन देश की संस्कृति, विरासत, इतिहास और विविधता को पूरी दुनिया में प्रदर्शित करते हैं। इनको सजाने के लिए उपयोग किए जाने वाले पैटर्न और डिजाइन विभिन्न स्रोतों से प्रेरित होते हैं। इनमें हिंदू देवी-देवताओं से लेकर मुगलकाल की पेंटिंग तक शामिल हैं। यहां से पूरी दुनिया में पीतल के उत्पाद निर्यात होते हैं।

1200 हेक्टेयर में बसेगी मेगा टाउनशिप शिवालिक

महायोजना के तहत मुरादाबाद में हस्तशिल्प ग्राम, मेगा एमएसएमई क्लस्टर, इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक पार्क, नॉलेज सिटी व मेडीसिटी के साथ ही 55 एकड़ में राज्य विश्वविद्यालय का निर्माण भी होगा। औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए कौशल विकास केंद्र, ऑडिटोरियम व कन्वेंशन सेंटर, 1200 हेक्टेयर में मेगा टाउनशिप शिवालिक और 130 हेक्टेयर में औद्योगिक व मिश्रत तथा 50 हेक्टेयर में आवासीय टाउनशिप का भी प्रस्ताव है। स्पोर्ट्स सिटी, आयुष पार्क, शुगरकेन प्रोसेसिंग क्लस्टर, कैटल कॉलोनी, मत्स्य मंडी और ट्रांसपोर्ट नगर का भी प्रस्ताव है।